

Reg. No. [REDACTED]

BCAHDLN 201

Second Semester B.C.A. Degree Examination, June/July 2024

(Ability Enhancement Compulsory Course)  
(NEP 2020) (2021 – 2022 Batch Onwards)

LANGUAGE HINDI  
(Group – III) (Paper – II)

Time : 2 Hours

Max. Marks : 60

I. एक शब्द या एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (10x1=10)

1) लकड़ी क्यों नहीं कट रही थी ?

2) पंडित का नाम क्या है ?

3) नन्हकू सिंह किस वेश्या से गाना सुना करता था ?

4) 'कर्मफल' कहानी के लेखक कौन है ?

5) बाबा भारती के घोड़े का नाम क्या था ?

6) 'पत्नी' कहानी में पत्नी का नाम क्या था ?

7) "बैल की बिक्री" कहानी का मुख्य पात्र कौन है ?

8) अचानक लड़का एकाएक क्या करने लगता है ?

9) मीरा नाची कहानी के कहानीकार कौन है ?

10) कुंवर कौन है ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2x5=10)

1) बिटिया की सगाई कर रहा हूँ महाराजा कुछ सायत सागुन विचारना है, कब मर्जी होगी ?

2) उसके हृदय से मर्म भेटी चीख निकल पड़ी । वह सिर और छाती पीट-पीट कर रोने लगी ।

3) अब कोई गरीबों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा ।

4) मेरी तो खैर कुछ नहीं। पर अपने तन का तो ध्यान रखना चाहिए ।



## III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2x10=20)

- 1) 'हार की जीत' कहानी का सार लिखकर उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
- 2) 'पत्नी' कहानी के आधार पर सुनंदा का चरित्र चित्रण लिखिए।
- 3) 'गुंडा' कहानी के आधार पर नन्हकू सिंह का क्या योगदान है, समझाइए।
- 4) 'फुलवा' कहानी सामंतवादी मानसिकता से ग्रस्त है। कहानी के माध्यम से समझाइए।

## IV. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2x5=10)

- 1) राजभाषा हिंदी।
- 2) प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यवहार क्षेत्र।
- 3) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।
- 4) प्रतिवेदन के कितने प्रकार हैं? विस्तार से लिखिए।

## V. 1) स्कूल का वार्षिकोत्सव पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। (1x5=5)

## 2) हिंदी में अनुवाद कीजिए। (1x5=5)

A market is a public place where buyers and sellers meet without any restriction to buy and to sell the things they like. Weekly markets are held in villages where commodities are sold on barter.

मारुकच्छीय सावंजनिक सूळवागीदू विरेदिदाररु मुत्तु माराटगाररु अवरु इष्टपद्मव वसुगळन्नु विरेदिसलु मुत्तु माराट माडलु यावुदै निर्बांधविल्लदै भेण्टीयागुत्तुरै। वारद मारुकच्छीगळु हळीगळल्ली नदेयुत्तुव, अलौ सरकुगळन्नु विनमयद मैले माराट माडलागुत्तुदै।